कृतिपत्रिका : मार्च 2017

समय: तीन घंटे **कुल अंक: 80**

सूचना: (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य

20 अंक

1. (क) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

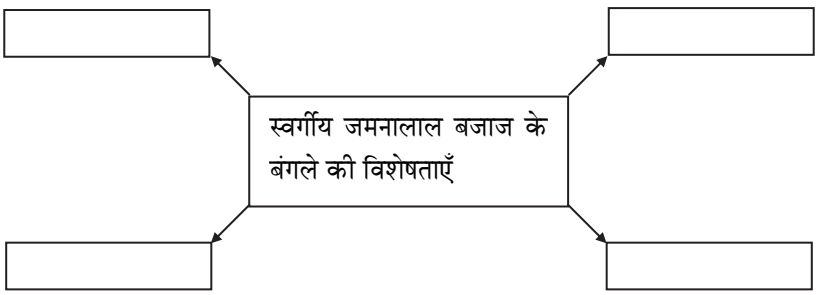

गांधीजी को अति निकट से देखने का सौभाग्य प्रथम बार मगनवाड़ी में प्राप्त हुआ। संतरों के बागों से युक्त विशाल अहाते में यह एक अच्छा बंगला था। इसकी लागत लगभग दो लाख रुपए थी। स्वर्गीय जमनालाल बजाज ने इसे गांधीजी को सौंप दिया था। तब इसी में रहकर गांधीजी सेवाग्राम को विकसित करने की योजना बना रहे थे। इसी में उनका आश्रम भी था। बाहर से आने वाले अतिथि जमनालाल जी के ही मेहमान थे। परंतु कभी-कभी प्रेमवश उन्हें गांधीजी के इस आश्रम में भी भोजन पर बुला लेते थे। हम लोग प्रथम बार ही इस आश्रम में पहुँचे थे। कदाचित इसीलिए गांधीजी ने हम लोगों को भी अपनी रसोई में भोजन करने के लिए कहा। हम तैयार हो गए। आश्रम की कन्याओं के पास संदेश पहुँचाया गया कि आज इतने आदमियों का भोजन और बनेगा। तभी एक महिला गांधीजी के पास पहुँची। उनके कान में उसने धीरे से कहा-आटा नहीं है।

उस समय स्थायी समिति की बैठक हो रही थी। गांधीजी सभापति के आसन पर विराजमान थे। उन्होंने बैठक थोड़े समय के लिए स्थगित की, आसन से उठे और कहा - मैं आश्रम का भंडारी भी हूँ। पास ही एक कोठरी पर बड़ा-सा ताला झूल रहा था। गांधीजी ने उस ताले को खोला। कोठरी के अंदर गए। मैं भी कोठरी के द्वार तक यह देखने के लिए गया कि वे क्या करते हैं? मैंने देखा कि किसी सुघड़ बनिए की परचून की सुव्यवस्थित दुकान-सी उस कोठरी में गांधीजी हाथ में तराजू लेकर बैठ गए हैं। हम जितने आदमी थे, सब के लिए उन्होंने निश्चित तोल के अनुसार गेहूँ, चना तौलकर महिलाओं को दिया।

(2) (i) कृति पूर्ण कीजिए: **1**

परिच्छेद में प्रयुक्त अनाज के नाम

(ii) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखिए: **1**

(1) गांधीजी इस समिति के सभापति थे –

(2) भोजन बनाने का संदेश इन्हें पहुँचाया गया –

(3) सारणी की सहायता से उपसर्ग और प्रत्यय युक्त **दो-दो** शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **2**

र्गी	**वि**	**य**	**त**	**स्व**	**सि**
त	**ग्य**	**सु**	**सौ**	**व**	**भा**
व्य	**त**	**स्थि**	**ब**	**र**	**ग**

उपसर्ग:

(i) _____
(ii) _____

प्रत्यय:

(i) _____
(ii) _____

(4) उपर्युक्त परिच्छेद से प्राप्त प्रेरणा लगभग **आठ** से **दस** वाक्यों में लिखिए। **2**

(ख) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **2**

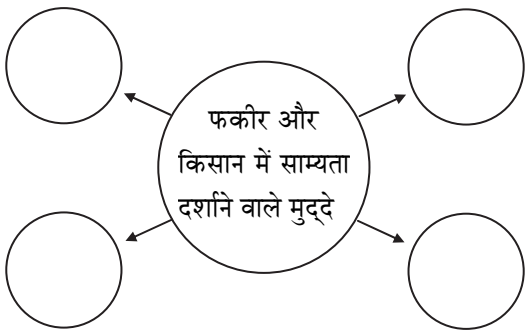

पशुओं को चराना, नहलाना, खिलाना - पिलाना, उनके बच्चों की अपने बच्चों की तरह सेवा करना, खुले आकाश के नीचे उनके साथ रात गुजार देना क्या स्वाध्याय से कम है? दया, वीरता और प्रेम जैसा इन किसानों में देखा जाता है, अन्यत्र मिलने का नहीं। गुरु नानक ने ठीक कहा है– "भोले भाव मिलें रघुराई।" भोले-भोले किसानों को ईश्वर अपने खुले दीदार का दर्शन देता है। उनकी फूस की छतों में से सूर्य और चंद्रमा छन-छनकर उनके बिस्तरों पर पड़ते हैं। ये प्रकृति के जवान साधु हैं। जब कभी मैं इस बे-मुकुट के गोपालों का दर्शन करता हूँ, मेरा सिर स्वयं ही झुक जाता है। जब मुझे किसी फकीर के दर्शन होते हैं तब मुझे मालूम होता है कि नंगे सिर, नंगे पाँव, एक टोपी सिर पर एक लँगोटी कमर में, एक काली कमली कंधे पर, एक लंबी लाठी हाथ में लिए हुए गौओं का मित्र, बैलों का हमजोली, पक्षियों का महाराज, महाराजाओं का अन्नदाता, बादशाहों को ताज पहनाने और सिंहासन पर बिठाने वाला, भूखों और नंगों को पालने वाला, समाज के पुष्पोद्यान का माली और खेतों का वाली जा रहा है।

(2) उचित मिलान कीजिए: 2

	'अ'		'ब'
(1)	मित्र	(प)	समाज के पुष्पोद्यान का
(2)	हमजोली	(फ)	गौओं का
(3)	महाराज	(ब)	महाराजाओं का
(4)	अन्नदाता	(भ)	बादशाहों का
		(म)	बैलों का
		(न)	पक्षियों का

(3) (i) संज्ञाओं का वचन परिवर्तन कीजिए: **1**

(1) गाय –

(2) फकीर –

(ii) शब्दसमूह के लिए परिच्छेद में प्रयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **1**

(1) देश की रक्षा करनेवाला –

(2) राजदरबार में राजा के बैठने का स्थान –

(4) 'भारत के किसान की वर्तमान स्थिति' लगभग **आठ** से **दस** वाक्यों में अपना मत लिखिए। **2**

(ग) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

(1) (i) कृति पूर्ण कीजिए: **1**

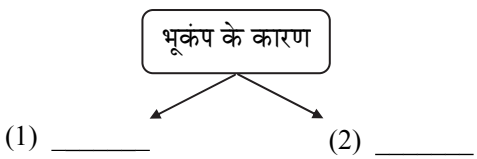

(ii) कृति पूर्ण कीजिए: **1**

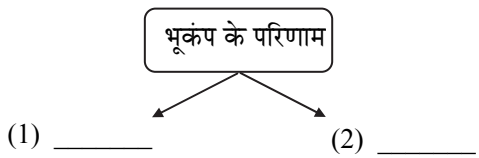

भूकंप इतना भयावह होता है कि कुछ ही पलों में पूरे शहर का नक्शा बदल देता है। भूकंप दिखाई नहीं देता। इसे केवल महसूस कर सकते हैं। सामान्य तौर पर भूकंप पृथ्वी के भीतर विशाल चट्टानों की उथल-पुथल के कारण होता है। कई बार बड़ी चट्टानें टूटकर दूसरी बड़ी चट्टान से इतनी जोर से रगड़ खाती हैं कि इस रगड़ से पैदा हुई ऊर्जा कंपन में बदल जाती है। यह कंपन हजारों मील तक की यात्रा कर लेते हैं। वैज्ञानिकों ने भूकंप मापने के लिए 'साइज़्मोग्राफ' नामक यंत्र का आविष्कार किया है। यह यंत्र दुनिया के विभिन्न स्थलों पर रखा जाता है ताकि कंपन को रोज़ाना मापकर इनका रिकार्ड रखा जा सके। इस रिकार्ड को देखकर वैज्ञानिक यह अंदाजा लगा सकते हैं कि किस स्थान पर भूकंप आने की संभावना है। फिर भी कभी-कभी सही संकेत नहीं मिलते। इस पर और खोज जारी है। हाल ही में पेरू, तुर्की, भारत आदि देशों में भूकंप आए। हजारों लोग मलबों के नीचे दबकर मर गए। सैकड़ों लोगों को गहरी चोटें लगीं तथा हजारों लोग बेघर हो गए।

(2) 'प्राकृतिक आपदाओं पर उपाय-योजना' विषय पर लगभग **आठ** से **दस** वाक्यों में अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 – पद्य

16 अंक

2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **2**

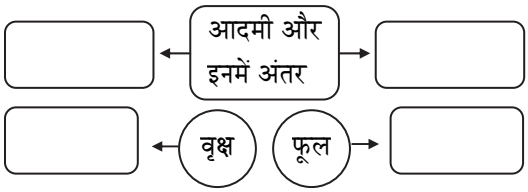

धरती से मैंने पूछा –
आदमी और वृक्ष में क्या अंतर?
वह बोली –
छाया छीनना एक का है कर्म
छाया देना दूसरे का है धर्म
वृक्ष से मैंने पूछा –
आदमी और फूल में क्या अंतर?
वह बोला –
काँटे बनकर चुभना एक की है जिंदगी।
खुशबू देकर जीना दूसरे की है जिंदगी।

(2) ऐसे **दो** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर में निम्नलिखित शब्द हों: **2**

(i) वृक्ष

(ii) फूल

(3) (i) तुकांत शब्द लिखिए: **1**

(1) _____

(2) _____

(ii) पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्धार्थी शब्द: **1**

(1) औरत ×

(2) बदबू ×

(4) प्रथम पाँच पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **2**

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **2**

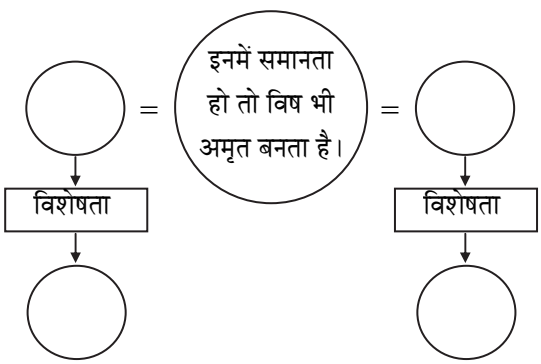

कथनी मीठी खांड-सी, करनी विष की लोय;
कथनी तजि करनी करै, विष से अमरित होय ।। 1।।
कथनी-बदनी छाँड़िके, करनी से चित लाय;
नरहिं नीर प्याये बिना, कबहूँ प्यास न जाय ।। 2।।
मारग चलते जो गिरै, ताको नाहीं दोस;
कह 'कबीर' बैठा रहै, ता सिर करड़े कोस ।। 3।।

(2) (i) विधान **सत्य/असत्य** लिखिए: **1**

(1) केवल कथन करने से किसी का भला हो जाता है।

(2) मार्ग पर चलते जो ठोकर खाकर गिरता है उसका कोई दोष नहीं होता।

(i) उचित पर्याय चुनकर वाक्य फिर से लिखिए: **1**

(1) _____ चलते जो गिरै, ताको नाहीं दोस।
(कथनी/मारग/कबीर)

(2) नरहिं _____ प्याये बिना, कबहूँ प्यास न जाय।
(नीर/तजिर/तीर)

(3) शब्दों के लिए परिच्छेद में प्रयुक्त समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए, जैसे: **2**

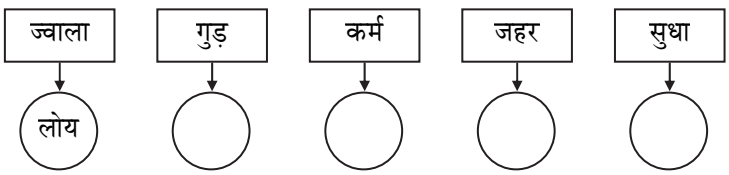

(4) प्रथम **दो** दोहों का भावार्थ लिखिए। **2**

विभाग 3 – पूरक पठन **4 अंक**

3. परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

(1) कृति पूर्ण कीजिए: **2**

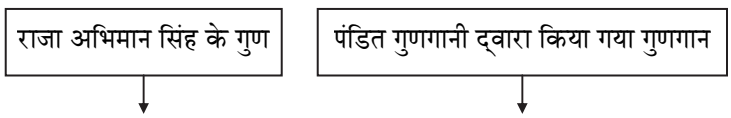

(i) गुणों की खान –
(ii) अनोखे वीर –
(iii) आँखों में लक्ष्मी –
(iv) प्रताप –

राजा अभिमान सिंह: गुणगानी जी, आपका काम ही है मेरे गुणगान करना। पर आज तुम मेरी बड़ाई में गीत न गाकर, सच-सच बताओ कि मैं कैसा राजा हूँ?

पंडित गुणगानी: अन्नदाता, मैं कभी आपकी झूठी बड़ाई नहीं करता। आप गुणों की खान हैं। आपके एक-एक गुण की प्रशंसा में एक-एक पुस्तक लिखी जा सकती है। आप ऐसे अनोखे वीर हैं जब आप चलते हैं तो पृथ्वी डगमगाने लगती है, हिमालय थर्राने लगता है और शेषनाग (जो पृथ्वी का भार सँभाले है) की पीठ में छाले पड़ जाते हैं। लक्ष्मी तो आपकी आँखों में रहती है क्योंकि महाराज की कृपादृष्टि जिस पर पड़ जाती है, वह देखते-देखते मालामाल हो जाता है। सरस्वती तो आपके जीभ रूपी कमल पर बैठी वीणा बजा रही है। आपके प्रताप से ही सूर्य और चंद्रमा चमकते हैं, दिन रात होते हैं। यदि आप न हों तो सब जगह अंधेरा-ही-अंधेरा फैल जाएगा। महाराज आप आप ही हैं।

(2) 'किसी के सामने तथा पीठ पीछे की जानेवाली तारीफ' लगभग **आठ** से **दस** वाक्यों में अपना मत लिखिए। **2**

विभाग 4 – व्याकरण

10 अंक

4. सूचना के अनुसार उत्तर लिखिए: [10]

(1) (i) चरणों की मात्राएँ लिखिए:

चरण – प्रथम द्‌वितीय

मात्रा – **1**

(ii) यह छंद _____ है। **1**

मूक होइ वाचाल, पंगु चढ़ै गिरिवर गहन।
जासु कृपा सु दयाल, द्रवौ सकल कलिमलदहन।।

(2) कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

सामासिक शब्द	विग्रह	समास
(i) यथाशक्ति	_____	_____ **1**
(ii) _____	पाप या पुण्य	_____ **1**

(3) कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

शब्द	संधि विग्रह	संधि
(i) उद्‌धार	_____	_____ **1**
(ii) _____	मनु + अंतर	_____ **1**

(4) अधोरेखांकित अव्ययों के भेद लिखिए:

(i) ऐसा लगा जैसे वसंत में वनश्री देखता घूम रहा हूँ कि सहसा किसी झाड़ी से शेर निकल पड़े। **1**

(ii) अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए: **1**

(1) ओर (2) ताकि

(5) (i) रचना के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए: **1**

(1) अंधी ने अपनी झोंपड़ी में एक हाँड़ी गाड़ रखी थी।

(2) यह एक देश है बीसवीं शती में दसवीं शती दिखाई देती है।

(i) उदाहरण लिखिए: **1**

संयुक्त वाक्य।

विभाग 5 – रचना विभाग

30 अंक

5. (1) पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए: 5

मनोज/मनिषा पाटील, शाहूनगर, चिंचवड़ से मा. स्वास्थ्य अधिकारी, मनपा, पिंपरी, पुणे-१७ को पत्र लिखकर अपनी कालोनी में कूड़ादान का प्रबंधन करने पर अभिनंदन हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

प्रगती बुक सेंटर, चिंचवड़, पुणे

* 50% मूल्य में उपलब्ध *

1. हिंदी शब्दकोष
2. हिंदी मजोरंजन कहानियाँ
3. हिंदी व्याकरण की पुस्तकें

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर अमोल/अमीशा सावंत, सावता नगर, नाशिक-04 से पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक दीजिए (लगभग 60 से 80 शब्द): **5**

विद्यालय में स्वच्छता का अभाव होना – अस्वच्छता के कारण हुई बीमारियाँ – छात्र एवं शिक्षक द्वारा अभियान चलाना – विद्यालय स्वच्छ और स्वस्थ होना – स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार मिलना – सभी विद्यालयों तक यह बात फैलना – सभी द्वारा सराहना करना।

(3) संजाल के आधार पर 'हिंदी दिवस समारोह' का वृत्तांत लिखिए (लगभग 60 से 80 शब्द): **5**

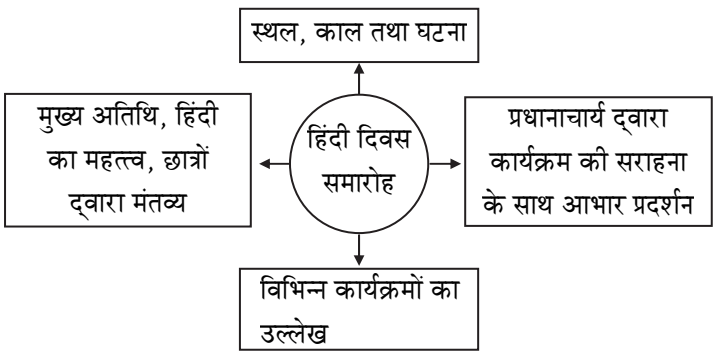

6. (1) परिच्छेद पढ़कर उस पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों: **5**

पतंजलि के बारे में कहते हैं कि उसने चित्तशुद्धि के लिए योगसूत्र लिखे, शरीर-शुद्धि के लिए वैद्यक लिखा और वाक्शुद्धि के लिए व्याकरण महाभाष्य लिखा। ये तीनों चीजें लिखने वाला पतंजलि एक ही था या अलग-अलग इस ऐतिहासिक प्रश्न को हम अभी छोड़ दें। परंतु महत्त्व की बात यह है कि व्याकरण का उद्देश्य वाणी की शुद्धि करना माना गया है।

भक्तिमार्ग की मुख्य सिखावन है कि वाणी से हरिनाम लेते रहना चाहिए। शरीर संसार में काम भले ही करता रहे, किंतु वाणी में संसार न हो। वाणी का मन पर गहरा संस्कार पड़ता है। कोई अगर सुंदर भजन सुनकर सो जाए तो सवेरे उठते ही बराबर वही अपने-आप याद आ जाता है, इतना उसका नाद नींद में भी मन में घूमता रहता है।

(2) संवाद लेखन कीजिए (लगभग 60 से 80 शब्द): **5**

शिक्षक – वाचन दिन – विद्यार्थी

(3) किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए: **5**

(i) यदि खेल का मैदान न होता _____

(ii) वृक्ष हमारे मित्र